जलशक्तिमान भारत...

विश्व जल दिवस

विशेषांक

वर्ष : 2, अंक : 12 | 22 मार्च, 2020

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साहसिक और ऐतिहासिक फैसला लेने वाले व्यक्ति के रूप में जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा अपने सामने बड़ा लक्ष्य रखा और उसे हासिल कर दिखाया। इससे उनकी वैश्विक पहचान बनी और उन्होंने पूरी दुनिया को सफलता का मार्ग दिखाया। पूरे देश को खुले में शौच से मुक्त करना हो या फिर हर गांव और हर घर में बिजली पहुंचाना, प्रधानमंत्री मोदी ने सौ प्रतिशत सफलता पाई। इसी तरह उन्होंने देश को जल संकट से मुक्ति दिलाने और 2024 तक सभी घरों में नल से स्वच्छ जल उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है।

पिछले 70 सालों में जल संरक्षण को लेकर सिर्फ बातें की गईं, लेकिन कोई ठोस नीति नहीं बन सकी। अब प्रधानमंत्री मोदी ने नया जलशक्ति मंत्रालय गठित कर इस दिशा में प्रभावी कदम उठाया है। हालांकि उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में भी जल संरक्षण और प्रबंधन के लिए कई कदम उठाए, लेकिन अलग मंत्रालय बनने से इस काम में और तेजी आएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने जल संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए इस मोर्चे पर जन सहभागिता की अपील की, और इसका व्यापक असर भी हुआ। देश में स्वच्छता आंदोलन की तरह ही जल संरक्षण का आंदोलन भी एक सामाजिक क्रांति के रूप में परिवर्तित हो चुका है।

अब स्थितियां बदलती दिख रही हैं। आंकड़े भी बता रहे हैं कि बीते कुछ सालों में घर-घर पीने के साफ पानी की उपलब्धता और जल संचयन में बढ़ोतरी हुई है। आज यानि 22 मार्च को पूरा विश्व जल दिवस मना रहा है, ऐसे में यह उल्लेख करना जरूरी है कि किस तरह प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से भारत जलशक्ति बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

मोदी सरकार में पहली बार

- जलशक्ति मंत्रालय का गठन
- जल जीवन मिशन और अटल भूजल योजना की शुरुआत
- राष्ट्रीय जल मिशन पुरस्कार का हुआ शुभारंभ
- जल संरक्षण को बनाया गया जन-आंदोलन
- जल संरक्षण के लिए पीएम मोदी ने लिखा सरपंचों को पत्र
- जल संरक्षण को लेकर देशभर में ग्राम सभाओं की हुईं बैठक
- जल विषय पर व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया गया
- पानी से जुड़ी सभी परियोजनाओं का एकीकरण हुआ
- राष्ट्रीय जल संग्रहालय विकसित करने का निर्णय लिया गया
- गांवों में 'पानी एक्शन प्लान' व 'पानी कोष' बनाने की पहल
- महाराष्ट्र के लातूर में जल संकट के समय रेलगाड़ी से जलापूर्ति
- डैम सेफ्टी को लेकर कानून बनाने का निर्णय लिया गया
- यूपी के कानपुर में हुई राष्ट्रीय गंगा परिषद की पहली बैठक

जल संकट से निपटने को तैयार हम

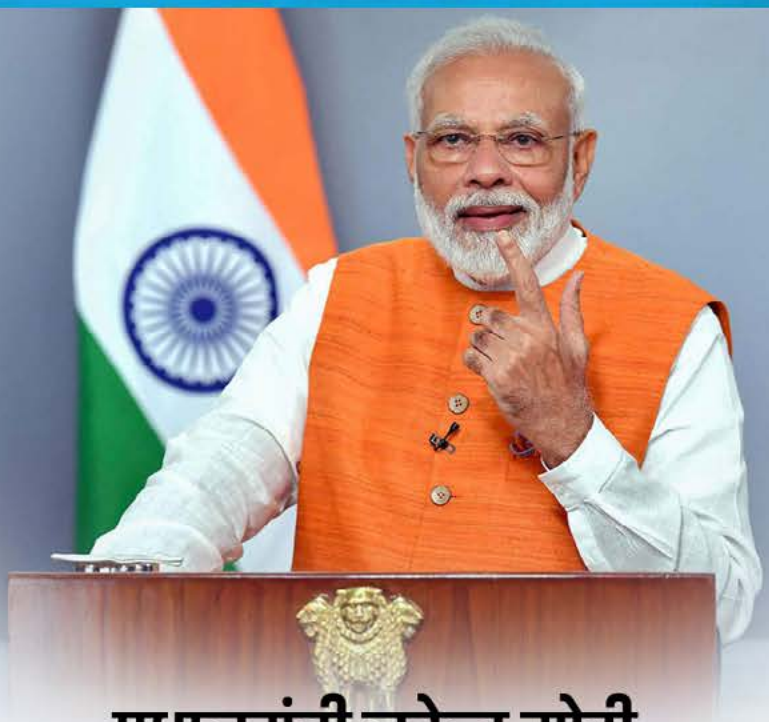

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

" सोचिए, 18 करोड़ में से सिर्फ 3 करोड़ ग्रामीण घर ही पाइप लाइन से जुड़े थे। 70 सालों में इतना ही हो पाया। अब हमें अगले पांच सालों में 15 करोड़ घरों तक पाइप से पीने का साफ पानी पहुंचाना है।"

"पानी का संकट एक परिवार के रूप में, एक नागरिक के रूप में हमारे लिए चिंताजनक तो है ही, साथ ही एक देश के रूप में भी ये विकास को प्रभावित करता है। न्यू इंडिया को हमें जल संकट की हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार करना है। इसके लिए हम पांच स्तर पर एक साथ काम कर रहे हैं।"

"आने वाले वक्त में पानी को लेकर पूरी दुनिया में मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। इससे पार पाने के लिए बारिश की एक-एक बूंद को बचाना हर किसी की जिम्मेदारी है। सदियों से हमारे पूर्वज इस दिशा में काम करते रहे हैं।"

हर घर में स्वच्छ जल

- पीएम मोदी ने यूएन के मंच से दिया जल संरक्षण का संदेश
- 73वें स्वतंत्रता दिवस पर जल जीवन मिशन की घोषणा
- जल संरक्षण के लिए पीएम मोदी ने किया जैन मुनि का जिक्र
- 2024 तक हर घर में नल से स्वच्छ जल पहुंचाने का लक्ष्य
- 2050 की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर योजना तैयार
- योजना पर 3.5 लाख करोड़ से भी ज्यादा रकम होगी खर्च
- पानी की उपलब्धता 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन निर्धारित
- वर्षा जल के संचयन के लिए आधारभूत संरचना का विकास
- घरों से निकलने वाले जल को कृषि में इस्तेमाल की योजना

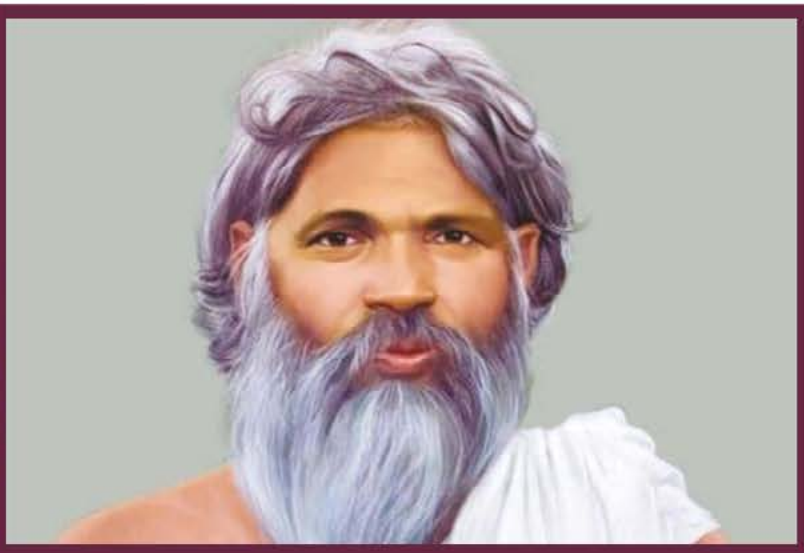

"जैन मुनि बुद्धिसागर महाराज ने आज से एक सदी पहले ही भविष्यवाणी की थी कि एक ऐसा समय आएगा, जब पीने का पानी किराने की दुकान पर मिलेगा। आज ऐसा ही हो रहा है।"

रिचार्ज होगा ग्राउंड वॉटर

- 25 दिसंबर, 2019 को अटल भूजल योजना का शुभारंभ
- योजना का उद्देश्य भूजल स्तर को ऊपर उठाना
- योजना पर छह हजार करोड़ रुपए होंगे खर्च
- सात राज्यों के 8,350 गांवों को होगा फायदा
- बेहतर काम करने वाले ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहन राशि

जलशक्ति मंत्रालय का बजट

बजट में 7.84 प्रतिशत की बढ़ोतरी

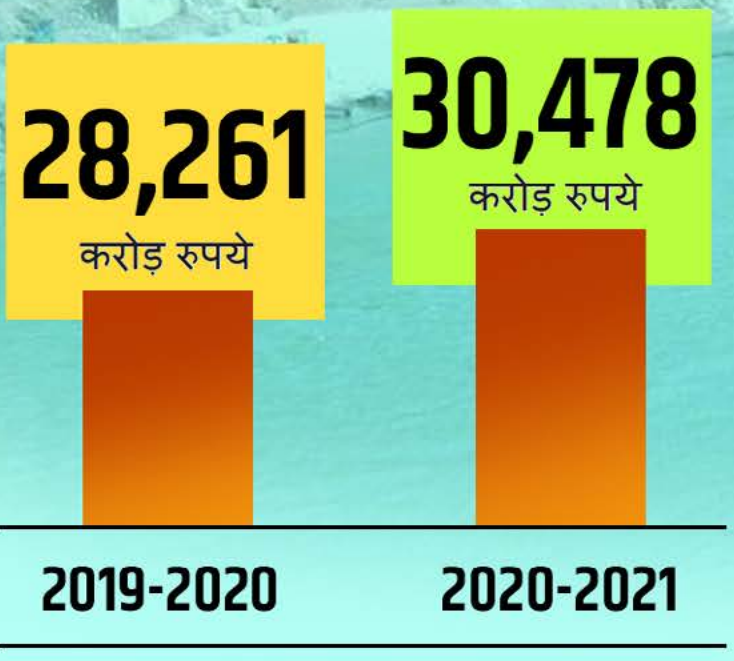

जल संरक्षण का इंतजाम

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

जल शक्ति अभियान
संचय जल, बेहतर कल

- 7 फरवरी, 2020 तक 17,137 चेकडैमों का निर्माण
- 7 फरवरी, 2020 तक 16,308 नालों का निर्माण
- 72,495 तालाबों को क्रियाशील बनाया गया
- गांवों में मनरेगा बनी जल संरक्षण के लिए वरदान
- मनरेगा में सूचीबद्ध कार्यों में 46 जल संरक्षण से संबंधित
- वर्षा जल के संग्रहण के लिए "कैच द रेन" अभियान शुरु
- आर्सेनिक एवं फ्लोराइड प्रभावित बस्तियों में शुद्ध पेयजल
- कॉर्पोरेट जल दायित्व को अपनाने की अपील की गई
- पिछले 5 वर्षों में स्वच्छ गंगा मिशन में व्यापक सुधार
- 5 सालों में गांगेय डॉल्फिन की संख्या 10 से बढ़कर 2000 हुईं
- मोदी सरकार ने स्वच्छ गंगा कोष बनाने की स्वीकृति दी
- नमामि गंगे मिशन द्वारा गंगा और सहायक नदियों का संरक्षण
- 7 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का काम पूरा
- 21,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर
- 2022 तक पूरी तरह बंद होंगे गंगा में गिरने वाले गंदे नाले
- अंतर्राज्यीय नदी जल विवाद (संशोधन) विधेयक, 2019 को मंजूरी
- पहले चरण में देश की 30 नदियों को जोड़ने की योजना

जल संचय केंद्र बने गांव

- पीएम मोदी ने सरपंचों और ग्राम प्रधानों को लिखा पत्र
- 22 जून, 2019 को देशभर में ग्राम सभाओं की हुईं बैठक
- ग्राम सभाओं में पीएम मोदी का पत्र पढ़ा गया
- पानी के संचयन में ग्रामीण जन भागीदारी को बढ़ावा
- गांव की जरूरतों के मुताबिक पानी से जुड़ी योजनाओं पर जोर
- ग्राम पंचायतों में पानी समिति का गठन
- पानी समिति के खाते में सीधे पैसा भेजने का प्रावधान

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
08 जून, 2019

प्रिय सरपंच जी,

नमस्कार।

आशा है आप और आपके पंचायत के मेरे सभी भाई-बहन कुशल-मंगल हैं।

अभी-अभी संपन्न हुए लोक तंत्र के महापर्व में उत्साह से भाग लेने और एक सशक्त भारत के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध सरकार के चयन के लिए आप सबको बहुत-बहुत बधाई। नए भारत का निर्माण आप सबके सक्रिय सहयोग और सहभाग से ही संभव है।

वर्षा ऋतु का आगमन होने ही वाला है। हम भाग्यशाली हैं कि ईश्वर ने देश को पर्याप्त वर्षा जल प्रदान किया है। परंतु ईश्वर की इस भेंट का आदर करना हमारा कर्तव्य है। इसीलिए बारिश का मौसम प्रारंभ होते ही हमें ऐसे इंतजाम करने हैं कि बारिश के पानी का हम ज्यादा-से-ज्यादा संचयन कर सकें। आईए, खेतों की मेड़ बंदी, नदियों और धाराओं में चेक डैम का निर्माण और तटबंधी, तालाबों की खुदाई एवं सफाई, वृक्षारोपण, वर्षा जल के संचयन हेतु टांका, जलाशय आदि का बड़ी संख्या में निर्माण करें ताकि खेत का पानी खेत में और गांव का पानी गांवों में संचयित किया जा सके। अगर हम ऐसा कर पाए तो न केवल पैदावार बढ़ेगी बल्कि हमारे पास जल का बड़ा भंडार होगा जिसका हम अपने गांव के कई कार्यों में सदुपयोग कर पाएंगे।

मेरा आग्रह है कि आप ग्रामसभा की बैठक बुलाकर मेरे इस पत्र को सभी को पढ़ कर बताएं और इन मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श करें। मुझे पूरा भरोसा है कि ग्रामीण स्तर पर हम सब मिलकर जल की हर एक बूंद का संचयन करके अपने परिवेश को और परिष्कृत बनाएंगे।

जैसे आपने स्वच्छता अभियान में व्यापक हिस्सेदारी करके इसे एक सफल जन आंदोलन बना दिया इसी प्रकार मेरा आग्रह होगा कि आप पानी पर हमारे आगामी अभियान को भी एक जन-आंदोलन का स्वरूप देकर इसे सफल बनाने में अपना नेतृत्व प्रदान करेंगे।

आइए, नामुमकिन को मुमकिन बनाएं और नए भारत के निर्माण में अपना योगदान करें।

सादर,

(नरेन्द्र मोदी)

GRAM PANCHAYAT- LAXMINAGAR
BLOCK- CAMPBELL BAY, DISTRICT- NICOBARS
A & N ISLANDS

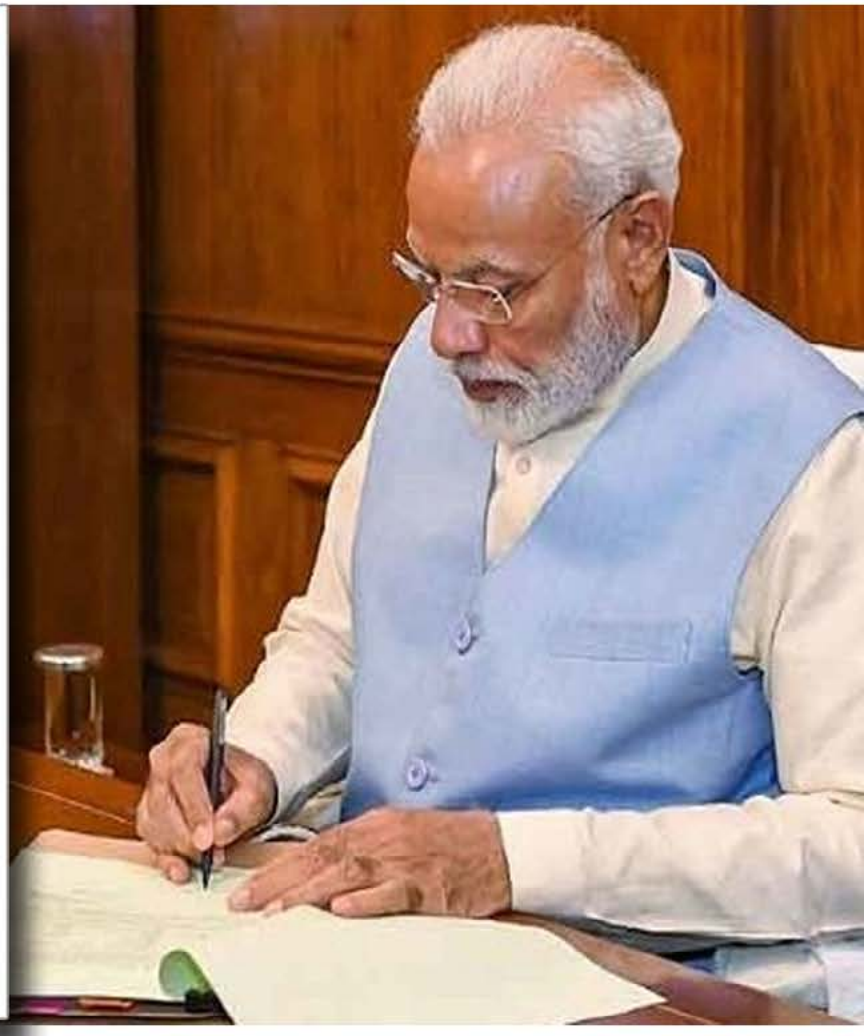

जल संरक्षण को समर्पित

- पीएम मोदी का दूसरा कार्यकाल जल संरक्षण को समर्पित
- मोदी सरकार-2 के पहले 'मन की बात' में जल संरक्षण की चर्चा
- पीएम मोदी ने जल संरक्षण के लिए लोगों से की अपील
- देशवासियों को वृक्षारोपण के लिए किया प्रेरित

जलशक्ति अभियान

- दो चरणों में चलाया गया जलशक्ति अभियान
- जल संचयन संरचनाओं के निर्माण पर दिया गया जोर
- पानी की कमी वाले जिलों और प्रखंडों पर ध्यान केंद्रित
- 256 जिलों के 1592 प्रखंडों को शामिल किया गया
- 5 लाख से अधिक जल संरक्षण इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए गए
- 20,000 पारंपरिक जल स्रोतों का हुआ कायाकल्प
- सितंबर 2019 तक अभियान से 4 करोड़ से अधिक लोग जुड़े
- अभियान के तहत करीब 12.3 करोड़ पौधे भी लगाए गए
- भूजल स्तर और सतही जल भंडारण क्षमता में सुधार

जलशक्ति अभियान से जुड़े दिग्गज

- पीएम मोदी ने ट्विटर पर #JanShakti4JalShakti अभियान शुरू किया
- #JanShakti4JalShakti अभियान एक व्यापक आंदोलन बन गया
- अभियान से अमिताभ बच्चन और आमिर खान भी जुड़े
- अमिताभ बच्चन ने "संचय जल, बेहतर कल" का संदेश दिया
- पीएम मोदी ने आमिर और अमिताभ को दिया धन्यवाद

जल संरक्षण बना जन आंदोलन

जल स्रोतों को मिला नवजीवन

महिलाओं का जीवन हुआ आसान

- महिलाओं की गरिमा को मिला सम्मान,जिंदगी हुई आसान
- पंचायतों की पानी समितियों में महिलाओं को प्राथमिकता
- पानी समितियों में 50 प्रतिशत सदस्य महिलाएं
- अब महिलाओं को घर से दूर जाकर पानी नहीं लाना पड़ेगा
- सिर पर मटके रखकर मीलों पैदल चलने से मिलेगी मुक्ति
- स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से महिला स्वास्थ्य में सुधार
- ग्रामीण लड़कियों को स्कूल जाना हुआ संभव
- ग्रामीण शौचालयों में पानी की समस्या होगी खत्म
- ग्रामीण आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार

हर खेत को पानी

PERFORM INDIA

- पीएम कृषि सिंचाई योजना में पारंपरिक जल स्रोतों को महत्व
- मिट्टी की स्वास्थ्य जांच के आधार पर जल का इस्तेमाल
- ऐसी फसलें अपनाने पर जोर, जिनमें कम पानी का इस्तेमाल हो
- सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली अपनाने से 30-40 फीसदी पानी की बचत
- खेती में सूक्ष्म सिंचाई और फर्टिगेशन तकनीकी का इस्तेमाल
- ड्रिप, स्प्रिंकलर, पिवोट्स, रेन-गन, जैसे उपकरणों का उपयोग
- जल संरक्षण के लिए जैविक खेती को मिल रहा बढ़ावा
- जलदूतों द्वारा जल संरक्षण और प्रबंधन के बारे में जागरूकता
- पानी की कमी वाले गांवों में वॉटर बजट बनाने की पहल
- कुसुम योजना के तहत 17 लाख से अधिक सोलर पंप देने का लक्ष्य
- पिछले 4 सालों में पेड़ और वन क्षेत्र में 13000 वर्ग किमी की वृद्धि
- 'पर ड्रॉप, मोर क्रॉप' के उद्देश्य से सिंचाई पर विशेष ध्यान

पर ड्रॉप, मोर क्रॉप

सूक्ष्म-सिंचाई क्षेत्र में बढ़ोतरी

क्षेत्र (लाख हेक्टेयर में)

2013-14	2018-19
4.3 लाख हेक्टेयर	**11.58** लाख हेक्टेयर

तकनीकी से जल प्रबंधन

- आधुनिक जल प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर
- जल संचय में अंतरिक्ष और भू सूचना (3-डी) का अनुप्रयोग
- जल प्रबंधन में भौगोलिक सूचना तंत्र (GIS) का इस्तेमाल
- एनआरआईएस के तहत तैयार विभिन्न नक्शों का इस्तेमाल
- स्पेस टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग
- पर्वतीय क्षेत्रों में स्प्रिंग शेड मैनेजमेंट को बढ़ावा
- कौशल विकास के तहत प्लंबर व इलेक्ट्रिशियन को खास ट्रेनिंग

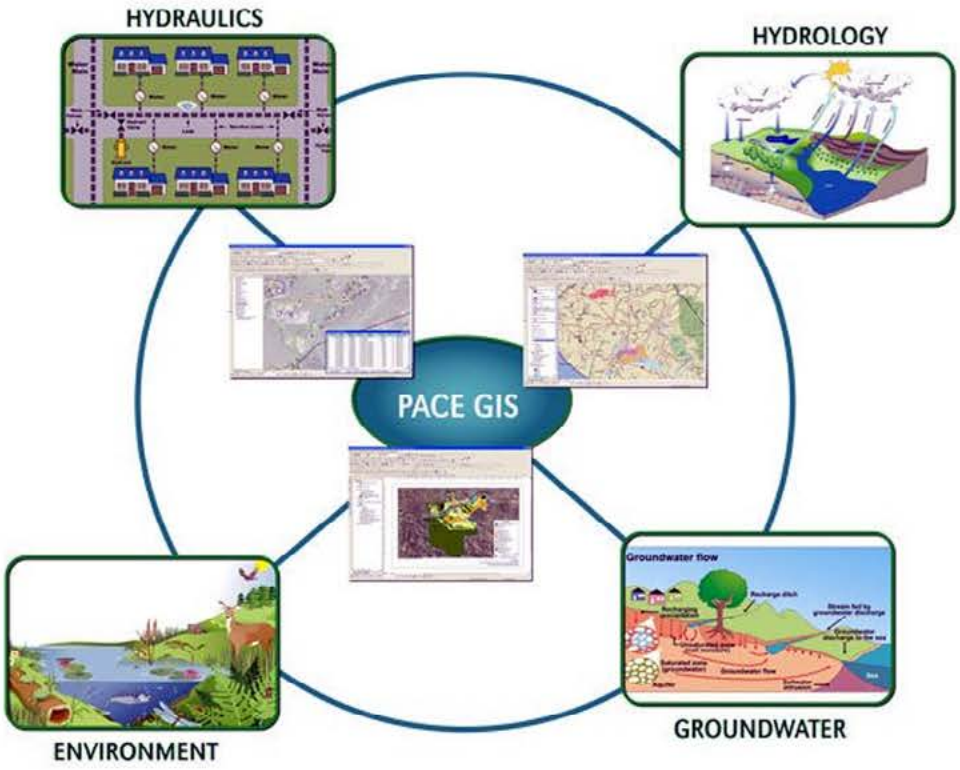

सरदार पटेल का सपना साकार

- 2017 में हुआ सरदार सरोवर बांध परियोजना का उद्घाटन
- पीएम मोदी ने अपने 67वें जन्मदिन पर देश को समर्पित की परियोजना
- प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु ने 1961 में रखी थी नींव
- दुनिया का दूसरा और भारत का सबसे बड़ा बांध है सरदार सरोवर
- गुजरात के 131 शहरों और 9633 गांवों में नहरों से पहुंचता है पानी

"आज एक सपने की परिणति है, जिसे सरदार पटेल ने मेरे और हम में से कइयों के पैदा होने के पहले पश्चिम भारत के राज्यों में जल संकट खत्म करने के लिए देखा था।"

लातूर में भेजा 'जलदूत'

- 2016 में महाराष्ट्र के लातूर में हुआ था गंभीर जल संकट
- जल संकट के समय पीएम मोदी ने की ऐतिहासिक पहल
- जलापूर्ति के लिए मालगाड़ियों के इस्तेमाल का दिया निर्देश
- मालगाड़ी 'जलदूत' बनकर लातूर के लिए रवाना हुई
- जल संकट से जूझ रहे लातूर के लाखों लोगों को राहत मिली